ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, मंगलवार 22 जुलाई 2025
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 106

सूरत एयरपोर्ट पर 28 किलो सोने की तस्करी नाकाम, शरीर में छिपाया था पेस्ट फॉर्म में सोना

24 न्यूज अपडेट

सूरत | दुबई से सूरत आए दो यात्रियों की संदिग्ध गतिविधियों ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया और नतीजतन सूरत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 28 किलो सोने की तस्करी की बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया गया। यह अब तक की सबसे बड़ी बरामदगी मानी जा रही है। रविवार रात करीब 10 बजे एयर इंडिया की फ्लाइट IX-174 सूरत एयरपोर्ट पर उतरी। उसी समय CISF (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) की विजिलेंस यूनिट हवाई अड्डे पर निगरानी कर रही थी। दो यात्रियों के चलने का असामान्य तरीका, बातचीत की घबराहट भरी शैली और सुरक्षा जांच से बचने की कोशिशें अधिकारियों को संदिग्ध लगीं। तुरंत उन्हें रोककर कस्टम विभाग की मदद से गहन तलाशी शुरू की गई। बॉडी बेल्ट और कपड़ों में छिपा रखा था सोना जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ—दोनों यात्रियों ने शरीर के विभिन्न हिस्सों में विशेष तकनीक से सोने का पेस्ट छिपा रखा था, जिसे कपड़ों और बॉडी बेल्ट के जरिए कुशलता से छुपाया गया था। सुरक्षा एजेंसियों ने यात्रियों से कुल 28 किलो पेस्ट जब्त किया।

23 किलो शुद्ध सोना मिला, कस्टम कर रहा पूछताछ

कस्टम विभाग ने पेस्ट को कब्जे में लेकर परीक्षण के लिए भेजा। रिपोर्ट में यह सामने आया कि बरामद पेस्ट में लगभग 23 किलो शुद्ध सोना था। अब दोनों यात्रियों से यह पता लगाने के लिए पूछताछ की जा रही है कि उनके पीछे कौन सा तस्करी नेटवर्क सक्रिय है, और यह सोना किसके निर्देश पर भारत लाया जा रहा था। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, यह सूरत एयरपोर्ट पर पकड़ी गई सबसे बड़ी सोने की खेप है। मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय एजेंसियां भी इस जांच में जुड़ सकती हैं।

ऑल टाइम हाई पर सोना-चांदी:गोल्ड 612 महंगा होकर 99,508 प्रति 10 पर पहुंचा, चांदी 1.14 लाख किलो बिक रही

24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी के दाम आज यानी 22 जुलाई को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 612 बढ़कर 99,508 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले इसका दाम 98,896 पर था। वहीं चांदी की कीमत 1,028 बढ़कर 1,14,493 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले चांदी 1,13,465 पर थी।

ट्रेन में BJP नेता की मां का अस्थि कलश ले भागा चोर, आगरा में रंगे हाथों पकड़ा गया

24 न्यूज अपडेट

आगरा. इंदौर के भाजपा नेता देवेंद्र ईनाणी के साथ एक विचलित कर देने वाली घटना तब घटी, जब वे अपनी दिवंगत मां की अस्थियों का विसर्जन करने परिवार सहित हरिद्वार जा रहे थे। रास्ते में आगरा के पास एक चोर ने उनके पास रखा अस्थि कलश चुराने की कोशिश की, लेकिन देवेंद्र की सतर्कता और यात्रियों की मदद से चोर को पकड़ लिया गया। भाजपा के विधानसभा क्षेत्र-1 के मीडिया प्रभारी देवेंद्र ईनाणी 20 जुलाई को इंदौर के लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन से ऋषिकेश एक्सप्रेस की S-2 बोगी में सवार हुए थे। उनके साथ 8 पारिवारिक सदस्य भी यात्रा में थे। 21 जुलाई की तड़के मुरैना से आगरा कैंट के बीच जब वे सो रहे थे, एक चोर बोगी में घुसा और उनके पास रखे झोले से अस्थि कलश चुरा लिया। तभी अचानक देवेंद्र की नींद खुल गई। उन्होंने देखा कि एक अजनबी के हाथ में उनकी मां की अस्थियों का कलश है। उन्होंने तत्काल चोर को पकड़ लिया और जोर-जोर से शोर मचाया। कुछ ही क्षणों में अन्य यात्रियों की भी आंख खुल गई और बोगी में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने चोर को पकड़कर जमकर धुनाई की और जब ट्रेन आगरा कैंट पहुंची, तो GRP (रेलवे पुलिस) को सौंप दिया गया। चोरी की थी अन्य यात्रियों की चीजें भी पूछताछ में सामने आया कि चोर S-4 बोगी से ट्रेन में घुसा था और वहां से लेकर S-1 तक के डिब्बों में कई लोगों के सामान की चोरी कर चुका था। कुछ पर्स वॉशरूम में फेंक दिए गए थे और एक यात्री का मोबाइल फोन ट्रेन से बाहर फेंक दिया गया। बाद में यात्रियों ने अपना सामान चेक किया, तो चोरी की पुष्टि हुई। "मां को क्या जवाब देता?" — देवेंद्र ईनाणी घटना को लेकर भावुक हुए देवेंद्र ईनाणी ने कहा, "अगर चोर अस्थियों का कलश लेकर भाग जाता, तो मैं मां को क्या जवाब देता? मेरे पास सिर्फ मां की ही नहीं, परिवार के तीन और दिवंगत सदस्यों की अस्थियां भी थीं।" देवेंद्र की माता रामकन्या ईनाणी का 8 अप्रैल 2025 को 85 वर्ष की उम्र में निधन हुआ था। कुछ अस्थियां नर्मदा में विसर्जित की जा चुकी थीं, और बाकी हरिद्वार ले जाई जा रही थीं। एक पारिवारिक शोक के कारण यात्रा टल गई थी, और तब से अस्थियां पंचकुईया मुक्तिधाम के लॉकर में सुरक्षित रखी थीं। आगरा में चोर को पुलिस के हवाले करने के बाद परिवार ने यात्रा जारी रखी और सोमवार को हरिद्वार पहुंचे। मंगलवार को विधिपूर्वक गंगा में अस्थियों का विसर्जन किया गया।

शेयर बाजार में आज फ्लैट कारोबार रहा:सेंसेक्स 14 अंक और निफ्टी 30 अंक गिरकर बंद; NSE के मीडिया, बैंकिंग और फार्मा शेयर्स फिसले

24 न्यूज अपडेट

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार, (22 जुलाई) को सेंसेक्स 14 अंक गिरकर 82,187 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 30 अंक की गिरावट रही, ये 25,061 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 12 में तेजी और 18 में गिरावट रही। बेहतर तिमाही रेवेन्यू के चलते इटरनल (जोमैटो) का शेयर 10.32% चढ़कर बंद हुआ। टाइटन, BEL और HUL के शेयर्स 1% तक चढ़कर बंद हुए।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 16 में तेजी, 33 में गिरावट रही, एक बिना बदलाव के बंद हुआ। NSE के सभी सेक्टर्स गिरकर बंद हुए। सबसे ज्यदा मीडिया 2.27%, सरकारी बैंकिंग 1.57%, फार्मा और रियल्टी 1% और ऑटो 0.74% शेयरों में गिरावट रही।

बीजापुर में छात्रा के गर्भवती होने से हड़कंप, आदिवासी कन्या आश्रम में रहकर पढ़ रही थी 12वीं की छात्रा

24 न्यूज अपडेट

बीजापुर. छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के भोपालपटनम क्षेत्र में स्थित एक आदिवासी कन्या आश्रम (गर्ल्स हॉस्टल) में रहकर पढ़ाई कर रही 12वीं कक्षा की छात्रा के गर्भवती होने का मामला सामने आने से हड़कंप मच गया है। 17 वर्षीय छात्रा, जो गर्मी की छुट्टियों के बाद 10 जुलाई को हॉस्टल लौटी थी, स्वास्थ्य संबंधी तकलीफों के चलते जांच के लिए अस्पताल पहुंची, जहां खुलासा हुआ कि वह साढ़े तीन महीने की गर्भवती है।

हॉस्टल लौटने के दस दिन बाद बिगड़ी तबीयत

छात्रा को 20 जुलाई को चक्कर आने और पेट में दर्द की शिकायत हुई, जिसके बाद हॉस्टल वार्डन तोंडेश्वरी शेट्टी ने उसे भोपालपटनम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। प्राथमिक इलाज के बाद उसे बीजापुर जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहां मेडिकल जांच में छात्रा के गर्भवती होने की पुष्टि हुई।

मां इलाज कराने से मानी नहीं, छात्रा को ले गई साथ

बीजापुर जिला अस्पताल की सिविल सर्जन डॉ. रत्ना ठाकुर के अनुसार छात्रा को सोमवार को भर्ती किया गया था और सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई थीं। लेकिन छात्रा की मां ने इलाज से इनकार करते हुए उसे अपने साथ वापस ले गई।

वार्डन ने पल्ला झाड़ा, जिम्मेदारी पूर्ववर्ती पर डाली

हॉस्टल वार्डन तोंडेश्वरी शेट्टी ने बताया कि उनकी पोस्टिंग मात्र 12 दिन पहले हुई है और छात्रा भी 10 जुलाई को ही हॉस्टल लौटी थी। उन्होंने कहा कि यह मामला उनकी नियुक्ति से पहले का है और इसकी जवाबदेही पूर्व वार्डन की है। मंडल संयोजक नंद कुमार मारकोंडा ने भी मामले में आवश्यक कदम उठाने की बात कही है। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त देवेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है। मंडल संयोजक से भी पूरी जानकारी मांगी गई है, जिसके बाद ही आधिकारिक विवरण सार्वजनिक किया जाएगा।

राजनैतिक प्रतिक्रियाएं तेज़

मामले ने राजनीतिक तूल भी पकड़ लिया है। बीजापुर से कांग्रेस विधायक विक्रम शाह मंडावी ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, "भाजपा की विष्णुदेव साय सरकार में न महिलाएं सुरक्षित हैं, न आदिवासी और न ही छात्राएं। यह घटना सरकारी संरक्षण में पनप रही लापरवाही की एक और कड़ी है।" वहीं भाजपा नेताओं ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

एअर इंडिया फ्लाइट के पिछले हिस्से में आग लगी:दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद घटना

24 न्यूज अपडेट

दिल्ली एयरपोर्ट पर एअर इंडिया के एक प्लेन के पिछले हिस्से के ऑक्सिलरी पावर यूनिट (APU) में आग लग गई। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट Flightradar24.com के मुताबिक यह प्लेन दोपहर 12:12 बजे हॉन्गकॉन्ग से दिल्ली आया था। विमान के सभी यात्री और क्रू मेंबर सुरक्षित हैं।

ऑक्सिलरी पॉवर यूनिट प्लेन में सबसे पीछे उसकी टेल में होता है। वहां आग लगने से प्लेन की बॉडी को नुकसान पहुंच सकता है। यह प्लेन के इंजन बंद होने पर भी कंट्रोल, लाइट्स और एसी ऑन रखता है।

आमतौर पर टर्मिनल पर खड़े रहने के दौरान प्लेन के मेन इंजन बंद रहते हैं, जबकि ऑक्सिलरी पॉवर यूनिट से बिजली सप्लाई की जाती है। इससे ईंधन की खपत कम होती है।

केंद्र सरकार ने किसानों को चेतावनी दी:PM-किसान किश्त चेक करने के लिए फर्जी लिंक ना खोलें; मोबाइल पर भेजे जा रहे फेक मैसेज

24 न्यूज अपडेट

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत आर्थिक मदद लेने वाले किसानों को केंद्र सरकार ने चेतावनी जारी की है। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने किसानों को सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर फैल रहे फर्जी मैसेज, लिंक से सावधान रहने को कहा है।

साइबर ठग फर्जी मैसेज किसान सम्मान निधि की किश्त चेक करने या अतिरिक्त लाभ का लालच देकर किसानों के बैंक खाते से जुड़ी निजी जानकारी मांगते हैं। फिर चुराए गए पर्सनल डेटा से किसानों के साथ ठगी करते हैं।

वॉट्सएप, SMS के जरिए भी भेजे जा रहे फर्जी मैसेज

कृषि मंत्रालय ने बताया कि PM- किसान योजना के नाम पर ठग सोशल मीडिया, वॉट्सएप और SMS के जरिए फर्जी मैसेज भेज रहे हैं। ये मैसेज किसानों को अतिरिक्त पैसे, बोनस या तुरंत किस्त का वादा करते हैं। कई बार ये ठग आधार नंबर, बैंक खाता डिटेल्स या OTP मांगते हैं।

इसके अलावा मैसेज लिंक भेज कर क्लिक करने को कहा जाता है। लिंक पर क्लिक कर OTP डालते ही आपके खाते से रुपए निकाल कर ठगी की जा सकती है। मंत्रालय ने साफ किया कि फर्जी लिंक या APK एप डाउनलोड करने से फोन हैक होने और डेटा चोरी का खतरा है।

CBSE के सभी स्कूलों में लगेंगे CCTV कैमरे:कॉरिडोर, लैब, एंट्री-एग्जिट पर होगी निगरानी, 15 दिन की रिकॉर्डिंग रखनी होगी

24 न्यूज अपडेट

CBSE ने अपने सभी स्कूलों को CCTV कैमरे लगाने का निर्देश दिया है। बोर्ड ने स्कूलों को गाइडलाइंस जारी करते हुए कहा है कि स्कूल में सभी जरूरी जगहों पर कैमरे लगे होने चाहिए। इसमें क्लासरूम के अलावा एंट्री-एग्जिट, कॉरिडोर और लैब शामिल हैं।

टॉयलेट और वॉशरूम को प्राइवेसी कारणों के चलते इससे बाहर रखा गया है। ये गाइडलाइंस स्कूलों में बच्चें की सुरक्षा तय करने के लिए जारी की गई हैं। बोर्ड का कहना है कि इससे स्कूल में बुलिंग और एब्यूस जैसी घटनाओं पर भी नजर रखी जा सकेगी।

15 दिन तक की रिकॉर्डिंग रखना जरूरी होगा

CBSE का निर्देश है कि सभी कैमरे वर्किंग कंडीशन में होने चाहिए और इनमें कम से कम 15 दिन की रिकॉर्डिंग रहनी चाहिए। इससे बच्चों को किसी भी तरह की शिकायत करने के लिए एक टाइम फ्रेम मिल जाएगा। स्कूल प्रशासन भी समय रहते मामलों की जांच कर पाएंगे।

स्कूलों को ये भी निर्देश है कि वे खुद भी समय-समय पर CCTV कैमरे के फुटेज चेक करते रहें। ताकि स्कूल कैंपस में होने वाली किसी भी गड़बड़ी को समय रहते पकड़ा जा सके।

बोर्ड के फैसले पर आ रहे मिक्स्ड रिएक्शन

बोर्ड के इस फैसले को एक ओर कई पेरेंट्स सही ठहरा रहे हैं। उनका कहना है कि अब पेरेंट्स स्कूल भेजते समय बच्चे की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह निश्चिंत होना चाहते हैं। स्कूलों में बढ़ रही अपराध की घटनाएं पेरेंट्स के लिए परेशानी की बात है।

वहीं, कुछ टीचर्स और पेरेंट्स का कहना है कि इससे बच्चों और टीचर्स के नेचुरल बिहेवियर पर असर पड़ेगा। इससे ये मैसेज मिलेगा कि बच्चों की हर समय निगरानी की जा रही है।

CBSE के सभी स्कूलों पर लागू होगा निर्देश

CBSE का निर्देश सभी संबद्ध स्कूलों पर लागू होगा। देश में CBSE के 29 हजार स्कूल हैं जिसमें औसतन 40 लाख बच्चे पढते हैं। स्कूलों के सभी कॉमन एरियाज में HD कैमरे इंस्टाल किए जाएंगे। बोर्ड ने अभी इसकी समय सीमा तय नहीं की है।

संपादकीय : बाधित सदन

संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन दोनों सदनों में सत्ता और विपक्ष के बीच खींचतान के बाद जैसा हंगामा देखा गया, वह एक तरह से अपेक्षित था। जिस तरह लोकसभा की कार्यवाही स्थगित करने की नौबत आई, उससे एक बार फिर यही लगता है कि जनहित से जुड़े मसलों पर बातचीत के बजाय संसद अब सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव की जगह बनती जा रही है। विपक्ष को लगता है कि सरकार अपनी सुविधा के मुताबिक सदन में बहस के लिए मुद्दों का चुनाव करती है और ऐसे में जनहित तथा राष्ट्रीय महत्त्व के विषयों की उपेक्षा की जाती है वहीं सरकार यह मानती है कि विपक्ष नाहक ही सदन को बाधित कर जरूरी कामकाज में अड़चन डालता है। इसमें दोराय नहीं कि जब तक किसी मुद्दे पर लोकसभा या राज्यसभा में बहस नहीं होगी, तब तक जनहित के सवाल उपेक्षित रहेंगे, लेकिन इस क्रम में ऐसी स्थिति पैदा होने को कैसे सही ठहराया जा सकता है कि सदन में विचार-विमर्श के बजाय एकतरफा बातचीत होने लगती है। और उसी के आधार पर नियम-कायदे भी तय हो जाते हैं। गौरतलब है कि करीब एक महीने तक चलने वाले मानसून सत्र में विपक्ष की ओर से मुख्य रूप से पहलगाम हमले, आपरेशन सिंदूर, संघर्ष विराम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण, मणिपुर के हालात और चीन के रुख आदि मसलों पर चर्चा कराने पर जोर दिया गया। हालांकि सरकार ने दावा किया कि वह इन सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। अगर ऐसा है तो यह समझना मुश्किल है कि फिर खींचतान और हंगामे के हालात यहां तक कैसे पहुंचे कि सदन को स्थगित करने की नौबत आई। सरकार और विपक्ष के बीच संसद में आमने सामने की बहस और सवाल-जवाब एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। अगर सरकार को लगता है कि वह विपक्ष की मांग के मुताबिक सभी विषयों पर बहस के लिए तैयार है, तब आखिर संसद में हंगामे की नौबत क्यों आती है ? क्या ऐसा बीच का रास्ता नहीं निकल सकता जिसमें सदन बाधित न हो और संसद का कामकाज सुचारु रूप से चले ? विपक्ष अगर चर्चा की मांग करता है, तो सदन को सामान्य रूप से संचालित होने देना और जरूरी मुद्दों पर बहस को लोकतांत्रिक निष्कर्ष तक ले जाना आखिर किसकी जिम्मेदारी है? देश और नागरिकों के हित से जुड़े व्यापक महत्त्व के सवालों पर लोकसभा और राज्यसभा में चर्चा नहीं होगी तो और कहां होगी ? मगर सरकार और विपक्ष जिन मुद्दों पर टकराव की मुद्रा में आ जाते हैं, उसमें यह कैसे तय होगा कि किस सवाल को बहस की प्राथमिकता में सबसे ऊपर रखा जाना चाहिए? सही है कि पहलगाम में हुआ आतंकी हमला और उसके बाद की परिस्थितियां राष्ट्रीय महत्त्व का मसला है । इसी तरह बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण पर जिस तरह के सवाल उठे हैं, उस पर भी तत्काल बात होनी चाहिए । मणिपुर में भी लंबे समय से जिस तरह हिंसा के हालात बने हुए हैं, उसका समाधान भी तुरंत खोजने की जरूरत है। मगर क्या सदन में इसके लिए कोई प्रक्रिया निर्धारित है ? विडंबना है कि हंगामे की शोर में जरूरी मुद्दों पर बहस नहीं हो पाती और सदन स्थगित हो जाता है। इस संदर्भ में सदनों की कार्यवाही पर एक दिन के खर्च और उसके बेकार जाने के मसले पर भी काफी सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में सरकार और विपक्ष को मिल कर यह सोचने की जरूरत है कि बाधित सदन में जनहित के सवालों के लिए कितनी जगह बची है।

साख पर संकट

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्यप्रणाली को लेकर शक्तियों के इस्तेमाल, पारदर्शिता की कमी और राजनीतिक दुरुपयोग जैसे सवाल उठते रहे हैं। ईडी पर विपक्षी दलों को निशाना बनाने और सत्ताधारी दल के सदस्यों के प्रति नरमी बरतने के आरोप भी लगते रहते हैं। इसके अलावा, ईडी की ओर से दर्ज मामलों में दोषसिद्धि की दर कम होने पर भी सवाल उठ चुके हैं। ये सवाल तब और गंभीर हो जाते हैं, जब कुछ मामलों में न्यायालय की ओर से भी जांच एजेंसी की कार्यप्रणाली को संदेह की नजर से देख जाता है। गौरतलब है कि मद्रास उच्च न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह सख्त टिप्पणी की कि ईडी कोई 'ड्रोन' नहीं है जो आपराधिक गतिविधि का पता चलते ही हमला कर दे। साथ ही कहा कि जांच एजंसी एक अत्यधिक दक्ष पुलिस अधिकारी (सुपर काप) की तरह नहीं है, जो उसके संज्ञान में आने वाली हर चीज की जांच करे। हर जांच एजंसी की कार्यप्रणाली में कुछ न कुछ खामियां होती हैं, लेकिन जब सिलसिलेवार तरीके से सवाल उठने लगे तो यह दामन पर दाग लगने जैसा होता है। ईडी के पास धनशोधन जैसे आर्थिक अपराधों की जांच करने की शक्ति है। विपक्षी दल ऐसे आरोप लगाते रहे हैं कि राजनीतिक दबाव में जांच एजेंसी इस शक्ति का दुरुपयोग कर रही है। ईडी की शक्तियों से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि अगर जांच एजेंसी के पास मौलिक अधिकार हैं तो उसे लोगों के अधिकारों के बारे में भी सोचना चाहिए। जांच के दौरान कानूनी सलाह देने या मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को ईडी द्वारा तलब किए जाने से जुड़े एक मामले में सोमवार को शीर्ष अदालत ने कहा कि ईडी सारी हदें पार कर रही है। इसके अलावा, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की पत्नी से संबंधित भूखंड आबंटन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने चेताया है कि राजनीतिक लड़ाई मतदाताओं के सामने लड़ी जानी चाहिए, इसमें ईडी जैसी जांच एजेंसियों को हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। जाहिर है, लगातार उठते सवालों के बीच ईडी को अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और निष्पक्षता के मानक सुनिश्चित कर राजनीतिक दवाव से मुक्त होकर काम करना चाहिए, ताकि उसकी साख पर कोई बट्टा न लगे ।

सनवाड़ वाला एंड संस के शब्बीर हुसैन से मांगी 2 लाख की फिरौती, पकड़ा गया आरोपी वसीम

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के धोलीबावड़ी क्षेत्र में एक दुकानदार को फिरौती नहीं देने पर धमकाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना मंगलवार को उस समय हुई जब धोलीबावड़ी सीमेंट गली स्थित सनवाड़ वाला एंड सन्स के प्रोपराइटर शब्बीर हुसैन को स्थानीय निवासी वसीम नामक युवक ने दो लाख रुपये की फिरौती की मांग करते हुए धमकाया। जानकारी के अनुसार, आरोपी वसीम सीधे शब्बीर की दुकान पर पहुंचा और उससे 2 लाख की मांग की। जब शब्बीर ने यह रकम देने से इनकार कर दिया, तो वसीम ने दुकान नहीं खोलने देने और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। धमकी देने के बाद वसीम वहां से चला गया। घटना से घबराए दुकानदार शब्बीर हुसैन ने तुरंत धानमंडी थाना पहुंचकर इस संबंध में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने भी मामले की गंभीरता को समझते हुए त्वरित कार्रवाई की और आरोपी वसीम को डिटेन कर लिया। थानाधिकारी के अनुसार, वसीम से फिलहाल पूछताछ जारी है और घटना से जुड़ी अन्य कड़ियों की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि क्या आरोपी किसी गिरोह से जुड़ा है या फिर यह उसकी व्यक्तिगत हरकत थी। इस घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों में आशंका का माहौल है और उन्होंने पुलिस से क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

6 साल की बच्ची की मौत के बाद मचा बवाल, इंजेक्शन लगने के बाद बिगड़ी तबीयत, परिजनों ने किया हंगामा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, उदयपुर जिले के मावली क्षेत्र के बोयणा गांव में एक मासूम बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि गांव की छह वर्षीय चंचल गमेती को बुखार की शिकायत पर परिजन पास के एक निजी होम्योपैथिक क्लिनिक पर ले गए थे, जहां इलाज के दौरान इंजेक्शन लगाए जाने के करीब आधे घंटे के भीतर उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया। घटना आसोलियों की मादड़ी चौराहे स्थित नागदा क्लिनिक की है। परिजनों के अनुसार डॉक्टर राजेन्द्र नागदा ने बच्ची को दवा देने के साथ इंजेक्शन लगाया और वापस भेज दिया। लेकिन घर लौटते वक्त रास्ते में ही बच्ची अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी। घबराए परिजन उसे फिर से उसी क्लिनिक पर लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने बच्ची की सांसें थम जाने की बात कहकर इलाज से इनकार कर दिया। बच्ची की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। मौके पर भारी संख्या में ग्रामीण जुट गए और क्लिनिक पर जमकर हंगामा किया। आक्रोशित लोगों ने क्लिनिक में तोड़फोड़ कर दी और डॉक्टर को घेर लिया। धक्का-मुक्की के साथ लोगों ने जमकर खरी-खोटी सुनाई। इसके बाद परिजन बच्ची का शव लेकर क्लिनिक के बाहर धरने पर बैठ गए और आरोपी डॉक्टर पर कार्रवाई तथा मुआवजे की मांग करने लगे। स्थिति बिगड़ते देख मावली एसडीएम रमेश सिरवी, तहसीलदार कैलाश विश्नोई और थानाधिकारी अशोक कुमार विश्नोई मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे कार्रवाई और मुआवजे की मांग पर अड़े रहे। करीब दो घंटे की बातचीत और पंचायत प्रतिनिधियों की मध्यस्थता के बाद 13.21 लाख रुपये मुआवजे और आरोपी डॉक्टर पर वैधानिक कार्रवाई के आश्वासन पर परिजन शांत हुए। नांदवेल सरपंच पिंटू डांगी ने बताया कि सहमति बनने के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए। बच्ची का शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद चिकित्सा विभाग के प्रभारी हितेश प्रतापसिंह, भाजपा नेता कुलपति सिंह चुंडावत और धूणी माता सरपंच नरेश मेघवाल भी मौके पर पहुंचे। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और बच्ची की मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ प्रवर समिति में मनोनीत

24 न्यूज अपडेट

जयपुर/नाथद्वारा, 22 जुलाई। माननीय राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष द्वारा राजस्थान भू-जल (संरक्षण एवं प्रबंध) प्राधिकरण विधेयक 2024 की पुनः गठित प्रवर समिति में नाथद्वारा विधायक श्री विश्वराज सिंह मेवाड़ को सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। यह समिति भू-जल संरक्षण एवं प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक के सूक्ष्म अध्ययन एवं सुझावों हेतु गठित की गई है। प्रवर समिति में मंत्री श्री कन्हैयालाल चौधरी को सभापति नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि गत मार्च माह में आयोजित सत्र में राजस्थान भूजल संरक्षण और प्रबंधन प्राधिकरण विधेयक पर विधानसभा में विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ ने विचार रखे थे। "राजस्थान भूजल संरक्षण और प्रबंधन प्राधिकरण विधेयक 2024" पर चर्चा के दौरान माननीय नाथद्वारा विधायक श्री विश्वराज सिंह मेवाड़ ने विधानसभा में रेखांकित करते हुए इस विधेयक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ध्यान आकर्षित किया और इसमें सुधार हेतु अपने सुझाव रखे थे। श्री मेवाड़ ने कहा था कि राजस्थान जैसे शुष्क प्रदेश में भूजल संरक्षण केवल एक कानूनी विषय नहीं, बल्कि यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक अनिवार्य जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रशासनिक और कानूनी ढांचे की पारदर्शिता और प्रभावशीलता पर जोर देते हुए कहा कि भूजल प्रबंधन से जुड़े नियम स्पष्ट होने चाहिए ताकि यह विधेयक अपने उद्देश्य को पूर्ण कर सके।

डूंगरपुर शहर में एक साथ तीन लेपर्ड दिखने से हड़कंप, चमनपुरा के लोग दहशत में

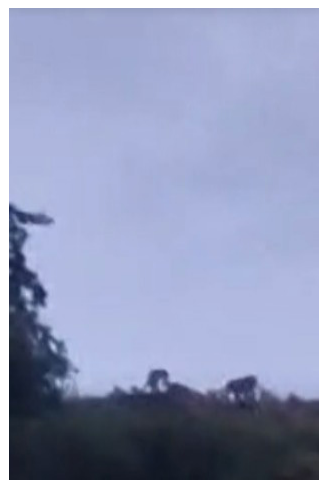

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। शहर के चमनपुरा मोहल्ले के पीछे की पहाड़ियों पर सोमवार देर शाम एक चौंकाने वाला नजारा देखने को मिला, जब एक साथ तीन तेंदुए (लेपर्ड) पहाड़ी की चोटी पर टहलते नजर आए। इस दृश्य को कई स्थानीय लोगों ने अपने मोबाइल कैमरों में कैद भी किया, जिसके बाद इलाके में दहशत फैल गई है। हालांकि तीनों तेंदुए पहाड़ी के ऊपरी हिस्से तक ही सीमित रहे और नीचे बस्ती की तरफ नहीं आए, लेकिन स्थानीय लोगों के मन में संभावित हमले का डर बना हुआ है। खासकर जब बच्चे खेलते-खेलते पहाड़ी की ओर चले जाते हैं, तो चिंता और भी बढ़ जाती है। पहले भी हो चुकी है तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि चमनपुरा मोहल्ले के पीछे जंगल वाला इलाका होने के कारण यहां पहले भी कई बार तेंदुए देखे जा चुके हैं। कुछ दिनों पहले ही बांसवाड़ा कॉलोनी के पीछे की पहाड़ियों पर भी एक तेंदुआ देखा गया था। ऐसे में लगातार तेंदुओं की सक्रियता से वन विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने की मांग की है। उनका कहना है कि अभी तक तेंदुए ने किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया है, लेकिन यदि कोई अप्रिय घटना होती है, तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? लोग विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

क्या कहता है वन विभाग?

वन विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन स्थानीय प्रशासन और वन विभाग को लोगों की मांगों और दहशत के माहौल को गंभीरता से लेने की जरूरत है। क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने, कैमरे लगाने और तेंदुओं की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

जंगल के सीमावर्ती इलाकों में बढ़ती मानवीय आबादी भी कारण विशेषज्ञों का मानना है कि मानव बस्तियों के लगातार जंगलों की ओर बढ़ने से वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास सिकुड़ रहा है, जिससे वे भोजन और जल की तलाश में आबादी वाले क्षेत्रों की ओर आने लगे हैं।

राज राजेश्वर महादेव मंदिर में खाटू श्याम भजन पर झूमे भक्तजन

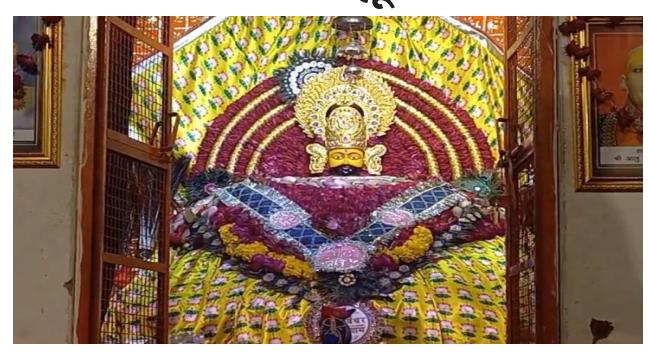

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। एकादशी के पावन अवसर पर शहर के टेकरी स्थित राज राजेश्वर महादेव मंदिर में खाटू श्याम भजन संध्या का भव्य आयोजन किया गया। इस मौके पर खाटू श्याम बाबा का विशेष श्रृंगार कर मनोहारी दरबार सजाया गया। मंदिर मंडल व श्रद्धालुओं की ओर से बाबा को छप्पन भोग अर्पित किए गए, जिनमें पारंपरिक व्यंजनों के साथ फल-मेवा से सजे थाल शामिल रहे। भजन संध्या के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा श्याम के दर्शन करने पहुंचे। जैसे ही भजनों की स्वर लहरियाँ मंदिर परिसर में गूंजने लगीं, वैसे ही भक्तों ने श्रद्धा के साथ तालियों की गूंज और नृत्य से माहौल को भक्तिमय बना दिया। स्थानीय कलाकारों ने "श्याम तेरे भजन बिना..." और "खाटू में श्याम बसा है..." जैसे प्रसिद्ध भजनों की प्रस्तुति देकर समां बाँध दिया। छोटे-बड़े सभी भक्त बाबा के रंग में डूबते नज़र आए। मंदिर परिसर को आकर्षक लाइटिंग व फूलों से सजाया गया था। आयोजन को सफल बनाने में मंदिर मंडल, युवा सेवा समिति और स्थानीय श्रद्धालुओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजकों ने बताया कि यह आयोजन हर एकादशी पर भक्ति भाव को समर्पित करने और श्याम भक्ति को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से किया जाता है।

उदयपुर की हिमांशी को मिला बेस्ट पिज़्ज़ेरिया का अंतरराष्ट्रीय अवार्ड

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 22 जुलाई। उदयपुर की प्रतिष्ठित पिज़्ज़ेरिया बैकयार्ड पिज़्ज़ा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट सम्मान प्रदान किया गया है। आईएचसी लंदन एवं आईआईएचएम द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय आतिथ्य दिवस 2025 के अवसर पर होटल, रेस्टोरेंट एवं यात्रा सम्मान सूची 2025 (हॉस्पिटैलिटी ऑनर्स लिस्ट) में बैकयार्ड पिज़्ज़ा को गौरवपूर्ण स्थान प्रदान किया गया। यह सम्मान मेमेंटो बाय आईटीसी होटल्स, उदयपुर में आयोजित भव्य समारोह में बैकयार्ड पिज़्ज़ा की संस्थापक हिमांशी और संचालक अभिनव मेहता को आईआईएचएम एवं इंडिस्मार्ट ग्रुप वर्ल्डवाइड के मुख्य मार्गदर्शक व अध्यक्ष डॉ. सुबोनों बोस , सीईओ - इंटरनेशनल हॉस्पिटैलिटी काउंसिल, लंदन तथा प्रोफेसर डेविड फॉस्केट, ओबीई, इंटरनेशनल हॉस्पिटैलिटी काउंसिल, लंदन अध्यक्ष एमबीई द्वारा प्रदान किया गया। इस सम्मान के माध्यम से बैकयार्ड पिज़्ज़ा की गुणवत्ता, सेवा भावना और ग्राहकों के विश्वास को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। यह उपलब्धि हमारे सभी ग्राहकों, शुभचिंतकों और सहयोगियों के प्रेम, समर्थन और आशीर्वाद का प्रतिफल है। इस गरिमामय अवसर पर सम्मान हिमांशी एवं अभिनव मेहता ने कहा "यह सम्मान हम उन सभी ग्राहकों को समर्पित करते हैं जिन्होंने हम पर विश्वास किया, हमें प्रोत्साहित किया और हर कदम पर साथ निभाया। उनका स्नेह और विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है, जो हमें निरंतर श्रेष्ठता की ओर प्रेरित करता है। यह सम्मान इस बात का प्रमाण है कि जब कार्य में निष्ठा, समर्पण और सेवा भाव होता है, तो स्थानीय स्तर से भी वैश्विक पहचान प्राप्त की जा सकती है। यह जानकारी महेन्द्र तलेसरा ने दी।

उदयपुर में 25, 26 व 27 जुलाई को आयोजित होगा तीन दिवसीय पॉप अप एग्जिबिशन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 22 जुलाई। झीलों की नगरी में 25, 26 ,27 ,जुलाई को होने वाली पॉप अप एग्जीबिशन की तैयारियों जोरों पर है। इसी के तहत मंगलवार को एग्जीबिशन के पोस्टर विमोचन किया गया। पॉप अप एग्जिबिशन ऑर्बिट रिसोर्ट में होने जा रही है। एग्जीबिशन की संयोजिका कनिका जैन एवं रुचिता जैन ने बताया कि महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए यह एग्जिबिशन आयोजित की गई है। यह एग्जिबिशन पिछले 3 वर्षों से लगातार की जा रही है। कनिका और रुचिता ने बताया कि यहां एग्जीबिशन के साथ-साथ भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए साड़ी क्वीन की प्रतियोगिता भी रखी गई है। इसी श्रृंखला में पॉप अप एग्जीबिशन एवं "सारी क्वीन" कॉन्टेस्ट का पोस्टर विमोचन किया गया। एग्जीबिशन में मेगा हाऊजी, ड्राइंग कंपटीशन, और भी बहुत सारी प्रतियोगिताएं रखी गई है। इस अवसर पर उदयपुर की जानी-मानी सामाजिक सेवी संस्थाओं के अध्यक्ष उपस्थित रहे। जिसमें कैट वूमेन विंग की अध्यक्ष विजयलक्ष्मी गलुण्डिया, जेएसजी अर्हम ग्रुप की अध्यक्ष रश्मि पगारिया, सीनियर फिजियोथेरेपिस्ट डॉ बलदीप शर्मा, पद्मिनी ग्रुप की अध्यक्ष शिल्पा पामेचा, रोटरी वसुधा ग्रुप से से शरद राठौर, ब्राह्मी महिला मंडल से मंजू मेहता, प्रेशियस ग्रुप के फाउंडर प्रीति चपलोत उपस्थित रहे। सीनियर फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर बलदीप शर्मा ने बताया कि 26 जुलाई निशुल्क मेगा हेल्थ चेकअप कैंप लगाया जा रहा है जो कि शर्मा वूमेन एस हेल्थ फिजियोथेरेपी क्लीनिक एवं मैगनस हॉस्पिटल के द्वारा किया जाएगा।

MLSU वीसी का पुतला फूंका, पीड़ित महिला कर्मचारियों ने कहा-झूठ बोल रही वीसी, हमने उनके निवास पर काम किया

24 न्यूज अपडेट

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में आज लगातार नवें दिन एसएफएबी कर्मचारियों की हड़ताल जारी रही। कर्मचारियों ने कल जिस पुतले की प्रतापनगर थाने तक शवयात्रा निकाली थी आज उसकी एक बार फिर से सांकेतिक अंतिम यात्रा निकाली गई और पुतले का दहन प्रशासनिक भवन के बाहर किया गया। आज भी कर्मचारियों को मनाने की कोई पहल नहीं की गई। बताया गया कि ईगो प्रोब्लम वालों का ईगो अब और ज्यादा हर्ट हो गया है। कर्मचारियों का वेतन बार बार रोक कर उनके दर्द का हड़ताल के दौरान आनंद लेने वाले विश्वविद्यालय प्रशासन ने अब कॉलेजों के डीन को इस बात के लिए बाध्य करना शुरू कर दिया है कि उनके कॉलेजों में काम कर रहे एसएफएबी के कर्मचारियों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी जाएं। इसके लिए कागजी कार्रवाई पुख्ता तरीके से की जा रही है ताकि बाद में किसी कानूनी प्रक्रिया में उसे एविडेंस के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। बताया जा सके कि हमने तो नौकरी में एक्टेंशन दे दिया था, कर्मचारियों ने ही ज्वाइन नहीं किया। पूरा प्रशासन अब इसी सिंगल लाइन एजेंडे पर चल रहा है। लेकिन उसके तर्क इस बात के आगे फेल हो रहे हैं कि आखिर हड़ताल के लिए कर्मचारियों को किसने मजबूर किया। उनका वेतन बार-बार रोक कर उनकी मायूसियों और मजबूरियों का आनंद आखिर किसने लिया? समय पर तनख्वाह व एक्टेंशन मिल जाते तो आज ये नौबत ही नहीं आती। कर्मचारियों का कहना है कि जो लोग आज आदेशों की धौंस दिखा रहे हैं सच में तो वे ही सबसे बड़े गुनगार हैं। हड़ताल उनकी वजह से ही बार-बार हो रही है। बताया जा रहा है कि सभी डीन डायरेक्टर्स को बारी बारी से ताकीद किया जा रहा है कि सेवा मुक्ति आदेश में कोई कोर कसर नहीं छूटे। अब सवाल यह उठता है कि अगर विश्वविद्यालय में एक साथ 300 कर्मचारी सेवा मुक्त होते हैं तो क्या तब भी कोई भूचाल नहीं आएगा? क्या तब भी बॉम के सदस्य बनकर चुपचाप बैठे और यस मैन बने हमारे जन प्रतिनिधि चुप्पी की चादर ओढ़कर अपने अकर्मण्य होने का सुबूत देंगे। यह भी अचरज की बात है कि जिन डीन-डायरेक्टर्स के अंडर में तीस-तीस साल से ये कर्मचारी काम कर रहे हैं वे भी इनके लिए आवाज नहीं उठा रहे। हड़ताल खत्म कराने का कोई प्रयास नहीं कर रहे। ना ही विश्वविद्यालय के शिक्षक आगे आ रहे हैं जो अपनी हर छोटी सी मांग पर खुद हड़ताल का रास्ता अपनाने को और अपनी समस्याओं को मीडिया के माध्यम से जगजाहिर करने को सदा तैयार रहते हैं। कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष नारायणलाल सालवी ने कहा कि कुछ लोग चाहते हैं कि सुखाड़िया विश्वविद्यालय की ख्याति गर्त में चली जाए। प्रतिष्ठा धूमिल हो जाए और वे बैठे-बैठे तमाशा देखते रहें। ऐसे लोगों का मंसूबा कभी पूरा नहीं होने वाला है। जो लोग 15 से 30 साल तक नौकरी कर चुके हैं क्या उनको एक कागजी आदेश से निकाला जा सकता है? प्रशासन को चाहिए कि ईगो छोड़कर पहल करें। इस बीच जिन दो महिला कर्मचारियों ने वीसी पर मारपीट करने और शाब्दिक अभद्रता के आरोप परिवाद देकर लगाए थे, वे भी आज धरने में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि एसटी एससी का मामला होने के बाद भी प्रताप नगर थाना पुलिस ने 24 घंटे बीत जाने पर एफआईआर तक नहीं की है। यह उनके कानूनी अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि उन पर तरह तरह से दबाव बनाए जा रहे हैं। दोनों ने साफ कहा कि वीसी साहिबा झूठ बोल रही हैं कि उनके यहां हमने काम नहीं किया। इसका गवाह पूरा स्टाफ है। और भी सुबूत हैं जो पुलिस और न्यायालय को समय आने पर दे दिए जाएंगे। किरण तंवर 17 साल से सुखाडिया विश्वविद्यालय में सेवा दे रही हैं व सालभर से वीसी निवास पर सेवाएं दे रही थीं। उन्होंने बताया कि पूर्व प्रभारी अधिकारी आरती प्रसाद जो अब रिटायर हो गई है, उन्होंने उन्हें वीसी निवास पर भेजा था। उसके बाद वर्तमान में लाइब्रेरी प्रभारी प्रो. मीरा माथुर व असिस्टेंट लाइब्रेरियन राजाराम भाट ने उन्हें वीसी आवास पर काम करने भेजा। अब उनके साथ अन्याय होने के बाद वीसी आवास पर काम करने से मना किया तो वापस लाइब्रेरी में साइन ही नहीं करने दे रहे थे। सबने मौखिक आदेश पर उनको वीसी आवास पर भेजा था। बेबी गमेती ने कहा कि उनकी पोस्टिंग गेस्ट हाउस में थी। करीब छह महीने से वीसी के घर पर काम किया। घटना होने पर नौकरी छोड़ कर चली गई व अब पुनः हॉस्टल में काम कर रही है।

धनखड़ के इस्तीफे के बाद राजस्थान-भाजपा के लिए बड़ी चुनौती:किसी भी प्रमुख पद पर जाट नेता नहीं, कैबिनेट में 16, संगठन में 13 फीसदी हिस्सेदारी

24 न्यूज अपडेट

जगदीप धनखड़ के उप राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद प्रदेश की राजनीति भी गरमा गई हैं। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बीजेपी पर किसान कौम (जाटों) की अनदेखी करने का आरोप लगाया हैं।

कांग्रेस पहले भी जाटों को लेकर बीजेपी पर भेदभाव करने और उन्हें हाशिए पर रखने के आरोप लगाती आई है। अब उप राष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद प्रदेश से बीजेपी में किसी भी प्रमुख पद पर कोई जाट नेता नहीं बचा हैं।

ऐसे में प्रदेश में जाटों को साधना बीजेपी के लिए बड़ी चुनौती होगा। जबकि कांग्रेस में संगठन की कमान जाट नेता गोविंद सिंह डोटासरा के पास है। जाटों की कैबिनेट में 16 और संगठन में 13 फीसदी हिस्सेदारी

वर्तमान में भजनलाल कैबिनेट में जाटों की हिस्सेदारी 16 फीसदी के आस-पास है। मंत्रिपरिषद में दो कैबिनेट और दो राज्यमंत्री जाट कोटे से शामिल है। इनमें से किसी का भी प्रभाव प्रदेश में नहीं है।

कैबिनेट मंत्रियों में पीएचईडी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा शामिल हैं। वहीं राज्यमंत्रियों में झाबर सिंह खर्रा को स्वतंत्र प्रभार और विजय सिंह को राज्यमंत्री का दर्जा है।

संगठन में प्रदेश पदाधिकारियों में देखें तो जाटों का प्रतिनिधित्व करीब 13 प्रतिशत के आस-पास हैं। संगठन में भी 4 जाट नेताओं को जगह मिली हुई है।

इनमें दो उपाध्यक्ष सीआर चौधरी और ज्योति मिर्धा शामिल हैं। वहीं प्रदेश महामंत्री के पद पर संतोष अहलावत और मंत्री के पद पर विजेंद्र पूनियां हैं।

लोकसभा चुनाव से पहले सरकार ने सीआर चौधरी को किसान आयोग का अध्यक्ष भी बनाया था। फिलहाल उनके पास दोनों पद हैं।

अब प्रदेश राजनीति में जाटों को साधना बीजेपी के लिए बड़ी चुनौती होगी। पार्टी उन्हें केंद्रीय संगठन से लेकर प्रदेश संगठन में अहम पद दे सकती हैं। वर्तमान में केंद्रीय संगठन में प्रदेश से किसी भी पद पर कोई जाट नेता नहीं हैं।

बीजेपी में फिलहाल राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव पेंडिंग है। नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनकी नई कार्यकारिणी में प्रदेश के जाट नेताओं को अहम पद दिया जा सकता हैं। इसमें पहले से ही सतीश पूनिया को राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने की चर्चाएं भी चल रही हैं।

इसी तरह से बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ की नई टीम का भी जल्द ऐलान होने की संभावना है। इसमें भी प्रमुख पदों पर जाट नेताओं को तरजीह दी जा सकती हैं।

सतरंगी म्यूजिकल ग्रुप का गोल्डन जुबली महोत्सव, सुरों की बौछारों ने सावन में भिगोया सबका मन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के म्यूजिकल ग्रुप सतरंगी का गोल्डन जुबली महोत्सव बीती रात शिल्पग्राम के निकट दौलतगढ़ रिसोर्ट में धमाकेदार प्रस्तुतियों के बीच हुआ। सावन के महीने में आयोजित इस शाम ने संगीत का रसपान करने आए हर एक श्रोता का मन सुरों की बौछारों से तरबतर कर दिया। महोत्सव में 29 कलाकारों ने हिंदी फिल्मों के नए-पुराने गीतों की प्रस्तुतियां दीं।

सतरंगी ग्रुप की समन्वयक तारिका भानुप्रताप धाभाई ने बताया कि पिछले पांच साल से अधिक समय से ग्रुप के सदस्य संगीत की नियमित साधना में जुटे हैं। इसी का परिणाम रहा कि 50 महीनों का सफर पूरा हुआ। ग्रुप से शहर के गणमान्य नागरिक जुड़े हुए हैं। वहीं सैकड़ों लोगों के सबकी हौसला अफजाई की।

गोल्डन जुबली महोत्सव में आशीष-प्रिया छाबड़ा, पुनीत-निधि सक्सेना, दीपाल-रानी सोनी, आलोक-अर्चना जैन, महेश-मंजू मेनारिया, संजय-रश्मि गुप्ता, अनिल-सीमा लाहोटी, सीपी-प्रीति शर्मा, राजेन्द्र-पूनम अग्रवाल, राघव-शालिनी भटनागर, संजय-अंजू गिरी, संजय बोबरा, वाईपी सिंह, मुकेश माधवानी, प्रवीण देवपुरा आदि ने मोहम्मद रफी, लता मंगेशकर, किशोर कुमार, मुकेश, आशा भोंसले के सुनहरे की गीतों की अनमोल प्रस्तुतियां दीं।

सलूम्बर में केंद्रीय या नवोदय विद्यालय की स्थापना पर सरकार नहीं कर रही विचार, संसद में सवाल का मिला जवाब

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान के नवगठित सलूम्बर जिले में केंद्रीय विद्यालय (केवी) या नवोदय विद्यालय (एनवीएस) की स्थापना को लेकर फिलहाल कोई प्रस्ताव सरकार के पास विचाराधीन नहीं है। यह जानकारी केंद्र सरकार के शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयंत चौधरी ने लोकसभा में दी। भाजपा सांसद डॉ. मन्नालाल रावत द्वारा पूछे गए अतारांकित प्रश्न संख्या 84 के तहत यह जानकारी सामने आई। उन्होंने पूछा था कि राजस्थान में अब तक कितने केंद्रीय व नवोदय विद्यालय स्थापित हो चुके हैं और क्या सलूम्बर जिले में ऐसे किसी विद्यालय की स्थापना की योजना है? शिक्षा मंत्रालय द्वारा दिए गए जवाब में बताया गया कि राजस्थान में इस समय 78 केंद्रीय विद्यालय और 35 नवोदय विद्यालय कार्यरत हैं। इन विद्यालयों का जिला-वार विवरण भी अनुलग्नकों के रूप में प्रस्तुत किया गया। सलूम्बर के लिए कोई प्रस्ताव नहीं शिक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सलूम्बर जिले में नया केंद्रीय विद्यालय खोलने के संबंध में कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। इसी प्रकार, वहां नवोदय विद्यालय की स्थापना को लेकर भी कोई विशेष कार्यवाही फिलहाल नहीं की गई है। केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की प्रक्रिया सरकार ने बताया कि नए केंद्रीय विद्यालय की स्थापना एक सतत प्रक्रिया है, जो मुख्य रूप से रक्षा बलों, अर्धसैनिक बलों, केंद्र सरकार के कर्मचारी, पीएसयू व उच्च शिक्षा संस्थानों में कार्यरत स्थानांतरणीय कर्मचारियों के बच्चों की शैक्षणिक आवश्यकताओं के आधार पर की जाती है। इसके लिए संबंधित मंत्रालय/राज्य सरकार को निःशुल्क भूमि और अस्थायी भवन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता देनी होती है। प्रस्ताव सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के अधीन होता है। नवोदय विद्यालय की नीति नवोदय विद्यालय योजना के तहत देश के प्रत्येक ग्रामीण जिले में एक विद्यालय की परिकल्पना की गई है। नए विद्यालयों की स्थापना भी राज्य सरकार द्वारा उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराने पर निर्भर करती है। सलूम्बर अब नया जिला बनने के बावजूद, वहां के लिए कोई अलग प्रस्ताव या मंजूरी फिलहाल प्राप्त नहीं हुई है। वर्तमान में उदयपुर जिले में स्थिति सलूम्बर पूर्व में उदयपुर जिले का हिस्सा रहा है। उदयपुर में वर्तमान में दो केंद्रीय विद्यालय दृ प्रतापनगर व एकलिंगगढ़ में कार्यरत हैं। साथ ही एक नवोदय विद्यालय भी उदयपुर में संचालित है।

राजस्थान हाईकोर्ट को मिले 7 नए जज, 40 के पार पहुंची न्यायाधीशों की संख्या

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में न्याय की गति को नई रफ्तार मिलने जा रही है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश पर राजस्थान हाईकोर्ट के लिए 7 नए जजों की नियुक्ति का आदेश जारी किया है, जिससे अब न्यायाधीशों की कुल संख्या इतिहास में पहली बार 43 तक पहुंच गई है। न्यायिक नियुक्तियों का यह फैसला राज्य में वर्षों से लंबित मुकदमों के बोझ को कम करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। 6 वकील और 1 न्यायिक अधिकारी को मिली जिम्मेदारी इन नियुक्तियों में 6 वरिष्ठ अधिवक्ताओं को वकील कोटे से और 1 न्यायिक अधिकारी संगीता शर्मा को न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है। जयपुर और जोधपुर से चयनित इन अधिवक्ताओं ने वर्षों तक हाईकोर्ट में वकालत कर न्यायिक प्रणाली से गहरी समझ हासिल की है।

पहली बार 40 के पार पहुंची संख्या, 50 पदों में 43 भरे

राजस्थान हाईकोर्ट में कुल 50 न्यायाधीशों के पद स्वीकृत हैं, जिनमें से अब 43 पद भर चुके हैं। इससे पहले हाईकोर्ट में अधिकतम 36 जज ही कार्यरत थे। नए जजों की तैनाती से मुकदमों की सुनवाई प्रक्रिया में गति आने की उम्मीद की जा रही है।

हर जज पर 16 हजार केस का बोझ, अब बदलाव की उम्मीद

अप्रैल 2025 तक राजस्थान हाईकोर्ट में कुल 6,11,650 मुकदमे लंबित थे। मौजूदा हालात में एक जज पर औसतन 16,000 से ज्यादा केस का भार है। नए जजों की नियुक्ति से न केवल न्यायिक प्रणाली को मजबूती मिलेगी, बल्कि जनता को शीघ्र न्याय मिलने की उम्मीद भी बढ़ेगी।

जजों की संख्या 70 तक बढ़ाने की भी मांग

इस साल मार्च में जयपुर में आयोजित एक विधिक समारोह में एक उच्च न्यायाधीश ने केंद्रीय विधि मंत्री अर्जुनराम मेघवाल के समक्ष न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 50 से बढ़ाकर 70 करने की मांग भी रखी थी। यह मांग राजस्थान की बढ़ती जनसंख्या और केस लोड को देखते हुए बेहद जरूरी मानी जा रही है।

नए न्यायाधीश- संदीप तनेजा — स्थायी न्यायाधीश
बलबिंदर सिंह संधू — अतिरिक्त न्यायाधीश
विपिन गुप्ता — अतिरिक्त न्यायाधीश
संजय पुरोहित — अतिरिक्त न्यायाधीश
रवि चिरानिया — अतिरिक्त न्यायाधीश
अनुरूप सिंघि — अतिरिक्त न्यायाधीश
संगीता शर्मा — अतिरिक्त न्यायाधीश (न्यायिक सेवा से)

प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल होंगे एमडीएस यूनिवर्सिटी के नए कुलपति, राज्यपाल ने जारी किया आदेश

24 न्यूज अपडेट

अजमेर। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने प्रोफेसर सुरेश कुमार अग्रवाल को महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय (एमडीएस यूनिवर्सिटी), अजमेर का नया कुलपति (वाइस चांसलर) नियुक्त किया है। राज्यपाल ने उनकी नियुक्ति को लेकर आधिकारिक आदेश जारी कर दिए हैं। प्रो. अग्रवाल वर्तमान में केंद्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात (गांधीनगर) में कार्यरत हैं। प्रोफेसर सुरेश कुमार अग्रवाल राजस्थान के मूल निवासी हैं और अंग्रेज़ी एवं तुलनात्मक साहित्य के क्षेत्र में देश के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों में गिने जाते हैं। उन्हें 36 वर्षों से अधिक का शिक्षण अनुभव है, जिसमें 14 वर्ष 6 माह का अनुभव बतौर प्रोफेसर शामिल है।

बीकानेर से गांधीनगर तक का शैक्षणिक सफर

उन्होंने महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर में 12 वर्षों तक अंग्रेज़ी के प्रोफेसर के रूप में सेवा दी। फरवरी 2023 में उन्होंने केंद्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात में कार्यभार संभाला और तब से वहीं अध्यापन कर रहे हैं। प्रो. अग्रवाल को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ओर से लीप (लीडरशिप फॉर अकादेमिशियन्स प्रोग्राम) जैसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम में शामिल किया गया है। उन्हें फुलब्राइट फैलोशिप भी मिली, हालांकि कोविड-19 महामारी के कारण वे उसका लाभ नहीं ले सके। शिक्षण के साथ-साथ प्रो. अग्रवाल राजस्थान राज्य सरकार और भारत सरकार की कई नीति-निर्धारण समितियों के सक्रिय सदस्य भी रहे हैं। उन्हें विभिन्न राज्य स्तरीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

कल उदयपुर आकर निम्बाहेड़ा जाएंगे सीएम भजनलाल

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, चित्तौड़गढ़। राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा 23 जुलाई (बुधवार) को चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा क्षेत्र का दौरा करेंगे। इस दौरान वे जिले में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे तथा आमजन को संबोधित भी करेंगे। जिला कलक्टर आलोक रंजन ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री श्री शर्मा सुबह 11:30 बजे जयपुर एयरपोर्ट से विशेष विमान द्वारा रवाना होंगे और दोपहर 12:20 बजे उदयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वहां से वे 12:25 बजे हेलीकॉप्टर से प्रस्थान कर 12:45 बजे निम्बाहेड़ा कॉलेज ग्राउंड स्थित हैलीपैड पर उतरेंगे। हैलीपैड से मुख्यमंत्री 12:50 बजे कार द्वारा रवाना होकर 12:55 बजे निम्बाहेड़ा कृषि मंडी प्रांगण पहुंचेंगे। वहां दोपहर 1:00 से 1:50 बजे तक आयोजित समारोह में वे जिले की विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम समाप्ति के पश्चात मुख्यमंत्री दोपहर 1:50 बजे कृषि मंडी से रवाना होकर 1:55 बजे कॉलेज ग्राउंड स्थित हैलीपैड पहुंचेंगे और वहां से 2:00 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा प्रस्थान कर 2:20 बजे उदयपुर एयरपोर्ट लौटेंगे।

व्यक्ति के स्वभाव पर ही उसका भविष्य निर्भर करता है : राष्ट्रसंत पुलक सागर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 22 जुलाई। सर्वऋतु विलास स्थित महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में राष्ट्रसंत आचार्यश्री पुलक सागर महाराज ससंघ का चातुर्मास भव्यता के साथ संपादित हो रहा है। मंगलवार को टाउन हॉल नगर निगम प्रांगण में 27 दिवसीय ज्ञान गंगा महोत्सव के तीसरे दिन नगर निगम प्रांगण में युवाओं के करियर विषय पर विशेष प्रवचन हुए। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष विनोद फान्दोत ने बताया कि मंगलवार को कार्यक्रम में महाराणा भूपाल चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. आर एल सुमन, उदयपुर, भाजपा प्रभारी बंसीलाल खटीक, पूर्व अध्यक्ष यूजीसीआई मांगीलाल लुणावत, समाज सेवी मांगीलाल नावडिया, धर्मोत्सव समिति के दिनेश मकवाना आदि अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मंगलाचरण सिटीप्राईड पब्लिक स्कूल के बच्चों ने किया। चातुर्मास समिति के पमर संरक्षक राजकुमार फत्तावत व मुख्य संरक्षक पारस सिंघवी ने बताया कि ज्ञान गंगा महोत्सव के दूसरे दिन आचार्य पुलक सागर महाराज ने कहां कि एक युवा मेरे पास आया और बोला कि महराज आप कुंडली देखना जानते है, क्या आप अंक ज्योतिष जानते है, क्या आप भविष्य देखना जानते है, मैने बोला तेरी क्या समस्या है ये बता, वो बोला मैं युवा हूं पढ़ रहा हूं, मेरा फ्यूचर क्या है? मैने बोला मैं कुंडली तो नहीं देखता, हस्तरेखा नहीं देखा, लेकिन तेरा भविष्य जरूर बताऊंगा । मैने कहा जैसा तेरा नेचर होगा वैसा तेरा फ्यूचर होगा, व्यवहार पर इंसान का भविष्य निर्भर करता है । युवा भविष्य को लेकर जीता है, बूढ़ा अतीत में जीता है । मकान सुंदर बनाओगे तो लोग पूछेंगे कि इसका आर्किटेक्ट कौन है? बढिया ज्वैलरी पहनोगे तो लोग कहेंगे कि इसका जौहरी कौन है? लेकिन अपने नेचर स्वभाव को देखकर आपको कोई ये नहीं पूछेगा क्या किसने दिया, क्योंकि व्यवहार अपना स्वयं का होता है। नेचर में स्वयं की तारीफ होती है । नेचर अच्छा हो तो वह आदमी को आदमी से जोड़ता है, और नेचर खराब हो तो सभी से रिश्ता तोड़ता है । आज की पीढ़ी सिर्फ धन कमाने में लगी है, लेकिन मैं कहूंगा कि समाज में थोड़ी इज्जत कमाना जरूरी है। जो माता पिता की बात ध्यान से सुनते है, उन्हें दुनिया भर की बातें सुनने का अवसर नहीं मिलता । आज कल का युवा ने गूगल को सब कुछ मान लिया है, लेकिन एक बात याद रखना मां बाप से आपको वही सीखाते है, जो आपके जीवन के लिए जरूरी है और गूगल आपको वो सब भी दिखाएगा जो आपके लिए जरूरी नहीं है । जो आंख बंद कर प्यार करे वो प्रेमिका होती है, जो आंख खोल कर प्यार करें वह दोस्त होता है, जो आंख बंद होने के बाद भी प्यार करें वो मां होती है, और एक पिता होता है जो हर स्थिति में प्यार करता है, लेकिन जताता नहीं है । पिता सूर्य के समान होता है, सूर्य होता गर्म है लेकिन प्रकाश देता है, उसी तरह पिता बाहर से कठोर हो सकता है, लेकिन पिता जैसा विशाल हृदय किसी का नहीं हो सकता । एक बात याद रखना पिता से बड़ी दौलत दुनिया में नहीं हो सकती । मां घर चलाती है, लेकिन पिता उस घर को चलाने की व्यवस्था करता है । आचार्य ने कहां कि डिग्रियों से जिंदगी नहीं बदलती, स्वभाव अच्छा नहीं हो तो वह किसी काम की नहीं । एक ड्रम में नींबू का रस भर दो, उसके पास एक भी चींटी नहीं आएगी और एक जगह एक बूंद शक्कर की रख दो, वहां हजारों चींटियां उसकी तरफ आकर्षित हो जाएगी । स्वभाव खट्टा होगा तो हमारी तरफ कोई आकर्षित नहीं होगा, और स्वभाव मीठा होगा तो सभी हमारे पास दौड़े चले आएंगे । अपनी बेटियों को संघर्ष में जीने की भी कला सिखाओ, हर परिस्थिति में बेटी अपना घर चला सके, बेटियों को बड़ी बड़ी डिग्रियां तो दिलवा दी, लेकिन आज बेटियों को रसोई में खाना बनाना तक नहीं आता। बेटियों में आजकल सहनशीलता कम हो गई है । बेटियों को ऐसी शिक्षा दो की वह जिंदगी भर शीलवान और चरित्रवान बन सके। लडक़ी को सब कुछ आना चाहिए, बेटियों को मॉड्यूलर किचन में भले ही रखो लेकिन उन्हें भारतीय संस्कृति को याद रखने की शिक्षा जरूर देवे । लडक़ी को सब कुछ आना चाहिए, बेटियों को मॉड्यूलर किचन में भले ही रखो लेकिन उन्हें भारतीय संस्कृति को याद रखने की शिक्षा जरूर देवे । देश में आज कल की परिस्थिति को देखते हुए तो मैं तो ये कहूंगा कि बेटियों को खाना बनाना ही नहीं, उन्हें तलवार चलाना भी आना चाहिए । विधर्मी लोग बेटियों की अस्मिता को नोंच कर उन्हें छोड़ देते है । बहु घर की लक्ष्मी है, और बेटी दूसरे घर को रोशन करेगी । बहु से ज्यादा अच्छी बेटी कभी मिल नहीं सकती, वो अपना घर छोड़ कर आती है और जीवन भर तुम्हारा ध्यान रखती है । इसीलिए बहु घर की कुलवधु है । आज से ही बहु को बहु समझना शुरू कर दो । आचार्य श्री ने अपने आशीर्वचन में समाज को धर्म, संयम और नैतिक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। आचार्य श्री की वाणी ने समस्त श्रद्धालुओं को आत्म चिंतन और आत्म कल्याण की प्रेरणा दी। चातुर्मास समिति के महामंत्री प्रकाश सिंघवी व प्रचार संयोजक विप्लव कुमार जैन ने बताया कि 31 जुलाई को मोक्ष सप्तमी, 9 अगस्त को रक्षाबंधन और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विशेष प्रवचन व आयोजन प्रस्तावित हैं। इस अवसर पर विनोद फान्दोत, राजकुमार फत्तावत, शांतिलाल भोजन, आदिश खोडनिया, पारस सिंघवी, शांतिलाल मानोत, नीलकमल अजमेरा, शांतिलाल नागदा सहित उदयपुर, डूंगरपुर, सागवाड़ा, साबला, बांसवाड़ा, धरियावद, भीण्डर, कानोड़, सहित कई जगहों से हजारों श्रावक-श्राविकाएं मौजूद रहे।

आराधना भवन में वर्धमान शक्रस्तव महाभिषेक का हुआ आयोजन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 22 जुलाई। मालदास स्ट्रीट स्थित आराधना भवन में जैनाचार्य श्रीमद् विजय रत्नसेन सूरीश्वर महाराज की निश्रा में बडे हर्षोल्लास के साथ चातुर्मासिक आराधना चल रही है। श्रीसंघ के कोषाध्यक्ष राजेश जावरिया ने बताया कि मंगलवार को आराधना भवन प्रांगण में जैनाचार्य श्रीमद् विजय रत्नसेन सूरीश्वरजी महाराज की शुभनिश्रा में श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपुजक जैन संघ मालदास स्ट्रीट-उदयपुर जैन शासन के महान् ज्योर्तिधर पूज्य आचार्य रामचन्द्र सूरीश्वर महाराज की 34वीं स्वर्गारोहण पुण्यतिथि निमित्त त्रिदिवसीय देव-गुरुभक्ति महोत्सव के दूसरे दिन भव्यातिभव्य वर्धमान शक्रस्तव महाभिषेक का आयोजन हुआ। लाभार्थी शैलेन्द्र हिरण परिवार ने प्रभुजी पर विविध औषधियों से अभिषेक किया । इस दौरान नूतन आराधना भवन में जैनाचार्य श्रीमद् विजय रत्नसेनसूरीश्वर ने प्रवचन देते हुए कहा जैनाचार्यश्री ने इसकी महिमा बताते हुए कहाकि -यह शक्रस्तव विक्रम राजा के प्रतिबोधक जैनाचार्य श्री सिध्दसेन दिवाकर सूरीश्वरजी को शक्र नाम के इन्द्र महाराजा ने प्रदान किया है। इस में परमात्मा के 273 विशेषण दिये है।. परमात्मा के अभिषेक से हमारी आत्मा पवित्र बनती है। सुर, असुर और मनुष्य रूपी जीव लोक के प्रभु होने से अरिहंत परमात्मा में संपूर्ण प्रभुता है। अरिहंत परमात्मा का रूप भी सर्वोत्कृष्ट होता है। इस जगत् में श्री अरिहंत परमात्मा से बढक़र किसी का रूप नहीं होता है। अरिहंत परमात्मा का यश भी तीनों लोक में फैला होता है। समवसरण आदि बाह्य लक्ष्मी और केवलज्ञान आदि अभ्यंतर लक्ष्मी भी सर्वोत्कृष्ट होती है। अरिहंत परमात्मा को पाँच महाव्रत आदि हेतु रूप धर्म और क्षमा आदि फलरूप धर्म भी सर्वोत्कृष्ट होता है। छद्मस्थ अवस्था में चार ज्ञान के धनी होने पर भी प्रभु मोक्ष के लिए प्रचंड पुरुषार्थ करते हैं। इस प्रकार ऐश्वर्य आदि छह से युक्त होने के कारण अरिहंत परमात्मा भगवंत कहलाते हैं। जावरिया ने बताया कि 23 जुलाई को प्रातः 9 बजे विशाल गुणानुवाद सभा होगी तथा 27 जुलाई को प्रात : 9.15 बजे संगीतमय पश्चात्ताप की भावयात्रा होगी। कोषाध्यक्ष राजेश जावरिया, गौतम मुर्डिया, जसवंत सिंह सुराणा, भोपालसिंह सिंघवी सहित कई श्रावक-श्राविकाएं मौजूद रही।

साधु और श्रावक जिन शासन के अभिन्न अंग है : साध्वी जयदर्शिता

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 22 जुलाई। तपागच्छ की उद्गम स्थली आयड़ जैन मंदिर में श्री जैन श्वेताम्बर महासभा के तत्तवावधान में कच्छवागड़ देशोद्धारक अध्यात्मयोगी आचार्य श्रीमद विजय कला पूर्ण सूरीश्वर महाराज के शिष्य गच्छाधिपति आचार्य श्रीमद विजय कल्पतरु सुरीश्वर महाराज के आज्ञावर्तिनी वात्सलयवारिधि जीतप्रज्ञा महाराज की शिष्या गुरुअंतेवासिनी, कला पूर्ण सूरी समुदाय की साध्वी जयदर्शिता श्रीजी, जिनरसा श्रीजी, जिनदर्शिता श्रीजी व जिनमुद्रा श्रीजी महाराज आदि ठाणा की चातुर्मास सम्पादित हो रहा है। महासभा के महामंत्री कुलदीप नाहर ने बताया कि मंगलवार को आयड़ तीर्थ के आत्म वल्लभ सभागार में सुबह 7 बजे साध्वियों के सानिध्य में ज्ञान भक्ति एवं ज्ञान पूजा, अष्ट प्रकार की पूजा-अर्चना की गई। सभी श्रावक-श्राविकाओं ने जैन ग्रंथ की पूजा-अर्चना की। आयड़ तीर्थ के आत्म वल्लभ सभागार में मंगलवार को आयोजित धर्मसभा में साध्वी जयदर्शिता श्रीजी ने प्रवचन में बताया कि साधु और श्रावक जिन शासन के महत्त्वपूर्ण व अभिन्न अंग है। जिस दिन साधु और जावक नहीं रहेंगे, उस दिन शासन भी नहीं रहेगा। परमात्मा का शासन साधु और श्रावक दोनों से ही चलता है। और चलेगा। भगवान महावीर को केवलज्ञान प्राप्त हुआ तब देवताओं द्वारा समवसरण की रचना की गई परमात्मा ने देशना प्रारंभ भी की परन्तु शासन की स्थापना नहीं की- क्यों ? क्योंकि वहां ऐसा कोई जीन उपस्थित नहीं था जिसके अंदर धर्म के परिणाम जागृत हो सके। आज बहुत से लोग कहते है कि रराधर्मिक धनवान होंगे तो शासन चलेगा "परन्तु ज्ञानी कहते है कि "साधर्मिक धर्मी होंगे तो शासन चलेगा। एक बात हमें पष्ठस्त्री समझ लेनी है कि धर्म के बिना शासन नहीं चल सकता। इस अवसर पर कुलदीप नाहर, भोपाल सिंह नाहर, अशोक जैन, राजेन्द्र जवेरिया, प्रकाश नागोरी, दिनेश बापना, अभय नलवाया, कैलाश मुर्डिया, चतर सिंह पामेच, गोवर्धन सिंह बोल्या, सतीश कच्छारा, दिनेश भण्डारी, रविन्द्र बापना, चिमनलाल गांधी, प्रद्योत महात्मा, रमेश सिरोया, कुलदीप मेहता आदि मौजूद रहे।

'गैर-कार्पोरेट संस्थाओं के वित्तीय विवरणों के फॉर्मेट पर गाइडेंस नोट' एवं 'इनकम टैक्स रिटर्न' विषयक सेमिनार का आयोजन

सेक्टर 14 स्थित आईसीएआई भवन में भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स का आयोजन

सेमिनार में इनकम टैक्स रिटर्न एवं टैक्स ऑडिट रिपोर्ट में हुए हालिया परिवर्तनों की जानकारी दी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर 22 जुलाई। भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) की उदयपुर शाखा द्वारा आज सेक्टर 14 स्थित आईसीएआई भवन में "गैर-कार्पोरेट संस्थाओं के वित्तीय विवरणों के फॉर्मेट पर आईसीएआई गाइडेंस नोट" एवं इनकम टैक्स रिटर्न विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। उदयपुर शाखा अध्यक्ष सीए राहुल माहेश्वरी ने बताया कि यह सेमिनार सदस्यों को हाल ही में जारी गाइडेंस नोट एवं आयकर रिटर्न संबंधी परिवर्तनों से अवगत कराने हेतु आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में आईसीएआई के सेंट्रल काउंसिल सदस्य सीए पंकज शाह और कोटा से सीए कुशाल सोनी ने अपने-अपने विषयों पर गहन विचार प्रस्तुत किए। प्रथम सत्र में, सीए पंकज शाह ने आईसीएआई द्वारा जारी "गैर-कॉर्पोरेट संस्थाओं के वित्तीय विवरणों के प्रारूप पर मार्गदर्शन नोट" विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि यह गाइडेंस नोट विभिन्न गैर-कार्पोरेट संस्थाओं जैसे- साझेदारी फर्म, एकल व्यवसाय आदि के वित्तीय विवरणों को एकरूपता और पारदर्शिता प्रदान करता है, जो व्यवसायिक जगत के लिए अत्यंत उपयोगी है। द्वितीय सत्र में, सीए कुशाल सोनी ने इनकम टैक्स रिटर्न एवं टैक्स ऑडिट रिपोर्ट में हुए हालिया परिवर्तनों की जानकारी दी। उन्होंने नए अनुपालन मानकों, महत्वपूर्ण संशोधनों और रिपोर्टिंग की बारीकियों पर विस्तार से चर्चा की। सदस्यों ने सेमिनार को अत्यंत ज्ञानवर्धक, अद्यतन जानकारियों से परिपूर्ण और व्यावहारिक बताया। इस अवसर पर सीए गौरव व्यास, सीए दिलीप कोठारी, उपाध्यक्ष सीए चिराग धर्मावत, कोषाध्यक्ष सीए सौरभ गोलछा एवं सीकासा सदस्य सीए अरुणा गेलड़ा सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

उदयपुर-शालीमार रेलसेवा रद्दः किरोड़ीमल नगर स्टेशन पर तकनीकी कार्य के चलते 23 व 24 अगस्त की ट्रेनें प्रभावित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के किरोड़ीमल नगर स्टेशन पर नॉन-इंटरलॉकिंग तकनीकी कार्य के कारण उदयपुरवासियों को ट्रेन सेवाओं में असुविधा का सामना करना पड़ेगा। इस कार्य के चलते उत्तर पश्चिम रेलवे पर संचालित चार महत्वपूर्ण रेलसेवाएं अस्थायी रूप से रद्द की गई हैं, जिनमें उदयपुर सिटी-शालीमार रेलसेवा भी शामिल है। रेलवे द्वारा जारी सूचना के अनुसार, उदयपुर सिटी से शालीमार जाने वाली गाड़ी संख्या 20971 दिनांक 23 अगस्त 2025 को रद्द रहेगी, जबकि शालीमार से उदयपुर सिटी लौटने वाली गाड़ी संख्या 20972 दिनांक 24 अगस्त 2025 को रद्द रहेगी। इस निर्णय से पूर्वी भारत की ओर यात्रा कर रहे यात्रियों को वैकल्पिक योजनाएं बनानी पड़ सकती हैं। इसके अतिरिक्त, पुरी-जोधपुर रेलमार्ग पर भी दो ट्रेनें रद्द की गई हैं: गाड़ी संख्या 20813 पुरी-जोधपुर रेलसेवा 27 अगस्त 2025 को रद्द गाड़ी संख्या 20814 जोधपुर-पुरी रेलसेवा 30 अगस्त 2025 को रद्द रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पूर्व अपनी ट्रेन की स्थिति की पुष्टि कर लें और रेलवे की वेबसाइट या संबंधित स्टेशन से जानकारी प्राप्त करें। तकनीकी कार्यों के पूर्ण होने के बाद सेवाएं यथावत बहाल की जाएंगी। रेलवे प्रशासन का कहना है कि यह कार्य रेल संचालन को और अधिक सुगम व सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

श्री त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज ने औषधीय पौधों का किया वृक्षारोपण

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 22 जुलाई। श्री त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज द्वारा अमरख जी महादेव मंदिर प्रांगण में धार्मिक व औषधीय पौधों का वृक्षारोपण किया। कार्यकारी अध्यक्ष विनोद पांडे ने बताया कि समाज जनों द्वारा रुद्राक्ष, बिल, हरसिंगार, पीपल व तुलसी के पौधों का वृक्षारोपण किया। साथ ही समाज के श्रावण मास में वन भ्रमण प्रोग्राम के तहत भजन व कीर्तन का प्रोग्राम किया गया। जिसमें समाज की महिलाओं ने शिव भजनों को गाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया सुबह मंदिर में अभिषेक किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप पूर्व जिला प्रमुख लक्ष्मीनारायण पंड्या, अध्यक्ष पवन अमरावत, कोषाध्यक्ष जगदीश त्रिवेदी,सचिव अनिल पांडे पूर्व अध्यक्ष दिनेश त्रिवेदी पूर्व अध्यक्ष हेमंत त्रिवेदी, गणेश त्रिवेदी, हेमंत पड्या, यशवंत पांडे, गिरीश उपाध्याय, नरेश त्रिवेदी, सुनील त्रिवेदी, सुधीर पांडे, विजय त्रिवेदी, उमेश त्रिवेदी, दिलीप उपाध्याय, अशोक उपाध्याय, भरत, अशोक त्रिवेदी, भरत पांडे, दीपक त्रिवेदी, पुष्पा त्रिवेदी, रीता त्रिवेदी, तारा उपाध्याय, वंदना त्रिवेदी व कार्यकारिणी व समाज के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। लड्डू बाटी के प्रसादम से भोग लगाकर शिव भगवान की आराधना करी व शहर में अच्छी बारिश के लिए भोलेनाथ से प्रार्थना करी।

अब कम्प्यूटर शिक्षा के साथ-साथ सिलाई व ब्यूटी पार्लर से सशक्त तो हो रही महिलाएं : आकाश बागड़ी

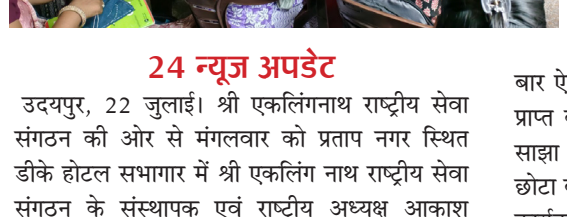

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 22 जुलाई। श्री एकलिंगनाथ राष्ट्रीय सेवा संगठन की ओर से मंगलवार को प्रताप नगर स्थित डीके होटल सभागार में श्री एकलिंग नाथ राष्ट्रीय सेवा संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष आकाश बागड़ी के निर्देशन में नारी वैभव मुहिम (महिला सिलाई, ब्यूटी पार्लर एवं मेंहदि प्रशिक्षण केन्द्र) के तहत महिलाएं सिलाई, ब्यूटी पार्लर एवं मेहंदी व कम्प्यूटर का प्रशिक्षण भी ले रही है। अलग-अलग कक्षाओं के माध्यम से यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षक जिला शहर मंत्री मंजू खिंची, चंचल औदिच्य, गोगुंदा ब्लॉक अध्यक्ष सुनीता प्रजापति व जिला महासचिव मीणा यादव ने बताया कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए एकलिंगनाथ राष्ट्रीय सेवा संगठन, उदयपुर द्वारा "नारी वैभव मुहिम" अभियान के अंतर्गत महिलाओं के लिए निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण कोर्स की शुरुआत की गई। 18 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाएं व बालिकाओं को कंप्यूटर सीखने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण करीब एक माह का रहेगा जिसमें कंप्यूटर से संबंधित बेसिक जानकारियां सिखाई जाएगी। इस प्रशिक्षण में करीब 200 महिलाओं को सुबह, दिन व शाम के अलग-अलग बैचों के माध्यम से सिलाई, ब्यूटी पार्लर एवं मेहंदी व कम्प्यूटर का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक एडवोकेट निर्मल पण्डित व प्रदेशाध्यक्ष दीपक मेनारिया ने बताया कि कई महिलाओं का कहना है कि उन्हें पहली बार ऐसा अवसर मिला है, जिससे वे तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकती हैं। कुछ ने यह भी साझा किया कि वे इस प्रशिक्षण के बाद स्वयं का छोटा व्यवसाय या फ्रीलांस कार्य शुरू करना चाहती हैं। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं को कोर्स किट दी गई जिसमें लेखन सामग्री, शेड्यूल और आवश्यक निर्देश शामिल थे। पहले बैच की कक्षा का भी प्रतीकात्मक रूप से शुभारंभ किया गया। यह प्रयास समाज में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देगा और उन्हें एक सशक्त भविष्य की ओर अग्रसर करेगा। संगठन द्वारा आगे भी इस प्रकार के निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है, जिससे अधिक से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो सकें। प्रशिक्षण में राष्ट्रीय अध्यक्ष आकाश बागड़ी, निर्मल कुमार पण्डित, दीपक मेनारिया, प्रशिक्षक जिला शहर मंत्री मंजू खिंची, चंचल औदिच्य, गोगुंदा ब्लॉक अध्यक्ष सुनीता प्रजापति व जिला महासचिव मीणा यादव, नेतांजली मेनारिया, कौशल्या सालवी सहित कई महिलाएं मौजूद रही।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।